भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.02.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 907 का उत्तर

गुवाहाटी-तेजपुर और तेजपुर-सिलघाट रेल लाइन

907. श्री रंजीत दत्ता:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नई रेल लाइनों, विशेषकर प्रस्तावित गुवाहाटी-तेजपुर लाइन और तेजपुर-सिलघाट लाइन के लिए स्वीकृत अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) उक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन और पूर्ण होने की अपेक्षित समयसीमा क्या है;

(ग) तेजपुर जिले में मौजूदा रेल अवसंरचना में सुधार, जिसमें स्टेशनों का उन्नयन और आधुनिकीकरण तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना शामिल है, के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का उक्त क्षेत्र में यात्री रेल सेवाओं की संपर्क क्षमता, फेरे और गुणवत्ता बढ़ाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार का तेजपुर और आसपास के क्षेत्रों में समग्र रेल नेटवर्क को मजबूत करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त पहल करने का प्रस्ताव है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): आगियाठरी (गुवाहाटी) - डेकारगाँव (तेज़पुर) नई रेल लाइन परियोजना (129 कि.मी.) तथा डेकारगाँव (तेज़पुर) - सिलघाट नई रेल लाइन परियोजना (25 कि.मी.) के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन अर्थात् नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से मूल्यांकन अपेक्षित होता है। चूंकि परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन पर निर्भर करती है।

तेज़पुर को सेवित करने वाला स्टेशन डेकारगाँव है जिसे 06 जोड़ी रेलगाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जाता है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	गाड़ी संख्या और नाम
1	15813/14 डेकारगाँव - मुरकंगसेलेक एक्सप्रेस
2	15815/16 गुवाहाटी - डेकारगाँव इंटरसिटी एक्सप्रेस
3	55821/22 रंगिया - डेकारगाँव पैसेंजर
4	55823/24 रंगापाड़ा नार्थ - डेकारगाँव पैसेंजर
5	55819/20 मेंदीपथार - गुवाहाटी पैसेंजर
6	55861/62 रंगिया - डेकारगाँव पैसेंजर

<u>स्टेशन पुनर्विकास</u>

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में मास्टर प्लान तैयार करना तथा उनका चरणबद्ध क्रियान्वयन कर स्टेशनों का उन्नयन शामिल है। मास्टर पलान में निम्न शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,

- **स्टेशन भवन में सुधार,**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार,**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान**
- **लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान**
- **प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,**
- **पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण,**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान**

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। जिनमें से 50 स्टेशन असम में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत असम राज्य में विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
असम	50	अमगुरी, अरुणाचल, चपरमुख, धेमाजी, धुबरी, डिब्रूगढ़, दीफू, दुलियाजान, फकीराग्राम जंक्शन, गौरीपुर, गोहपुर, गोलाघाट, गोसाई गांव हॉल्ट, गुवाहाटी, हैबरगांव, हरमुती, होजाई, जगीरोड, जोरहाट टाउन, कामाख्या, कोकराझार, लंका, लेडो, लामडिंग, माजबाट, माकुम जंक्शन, मार्गोरिटा, मारियानी, नुरकंगसेलेक, नाहरकटीया, नलबाड़ी, नामरूप, नारंगी, न्यू बोंगाईगांव, न्यू हाफलंग, न्यू करीमगंज, न्यू तिनसुकिया, उत्तरी लखीमपुर, पाठशाला, रंगापाड़ा नार्थ उत्तर, रंगिया जंक्शन, सरूपथार, सिबसागर टाउन, सिलापथार, सिलचर, सिमालुगुड़ी, तंगला, तिनसुकिया, उदालगुड़ी, विश्वनाथ चारआली

असम राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, इस योजना के अंतर्गत असम राज्य के 1 स्टेशन (हयबरगांव) पर कार्य पूरा हो चुका है। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं और उपरोक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- रंगापाड़ा नार्थ जंक्शन स्टेशन: प्रिफैब्रिकेटेड पैसेंजर (पी.पी.) शेड और प्लेटफ़ॉर्म संख्या 5 का विस्तार कार्य पूरा कर लिया गया है। परिचलन क्षेत्र, 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पार पुल, स्टेशन के पहले एवं दूसरे प्रवेश द्वार के कार्य, स्टेशन भवन का सुधार कार्य तथा प्लेटफ़ॉर्म के सतह संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं।

- **माजबाट स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार संबंधी कार्य, परिचलन क्षेत्र और पहुंच मार्ग का सुधार कार्य, प्लेटफॉर्म का विस्तार, जल निकासी कार्य, प्रवेश द्वार और एक्जिक्यूटिव लाउंज के कार्य पूरे हो चुके हैं। लिफ्ट का कार्य शुरू किया गया है।**

- **बिश्वनाथ चारआली स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार संबंधी कार्य, परिचलन क्षेत्र और पहुंच मार्ग का सुधार कार्य, प्रिफैब्रिकेटेड पैसेंजर (पी.पी.) शेड, प्लेटफॉर्म का विस्तार, शौचालय, प्रवेश द्वार और एक्जिक्यूटिव लाउंज संबंधी कार्य पूरे हो चुके हैं । टैक्टाइल पथ और लिफ्ट का कार्य शुरू किया गया है।**

- **फकिराग्राम जंक्शन स्टेशन: स्टेशन भवन के सुधार कार्य, पहुँच मार्ग, प्रिफैब्रिकेटेड पैसेंजर (पी.पी.) शेड, शिशु आहार कक्ष, शौचालय, प्रवेश द्वार तथा एक्जिक्यूटिव लाउंज के कार्य पूरे हो चुके हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पाल पुल, लिफ्ट तथा टैक्टाइल पथ का कार्य शुरू किया गया है।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण निरन्तर और सतत प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार किया जाता है। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/ उन्नयन/आधुनिकीकरण का कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/स्टेशन में संभाले जाने वाला यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए फायर क्लीयरेंस, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन क्लीयरेंस इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करने (जिनमें जल/मलजल लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। इसलिए, इस चरण में कोई निश्चित समय-सीमा निर्दिष्ट नहीं की जा सकती है।

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के कार्य योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत वित्तपोषित किए जाते हैं। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है और न कि कार्य-वार, स्टेशन-वार या राज्य-वार। असम पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। चालू वित्त वर्ष में 435 करोड़ रु. आवंटित किए गए हैं, जिसमें से अब तक (दिसम्बर, 2025 तक) 365 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है।

******